



संवादयत्रे ॥ ॐ ॥

श्रीहरथिशायनमो श्रीगंगेशाय नमो श्रीसारदादेव्यै नम

आशा सहकृति



ASHA ARCHIVES

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
विमलसागर महावज्र
नक्षत्र महावज्र नक्षत्र
वानसांद्रायायागुः म
वाक्षि ममार्थं ॥ १ ॥



ॐ स्वस्ति ॥ ॐ नमो भगवते
हं ॥ ॐ नमो भगवते विमल
॥ ॥ धर्मकुशल ॥ १
कुरुं वानसांद्रायायागुः म
ॐ नमो भगवते विमलसा

गत्र महावज्रसंस्काराया स्वाहा ॥ ॥ धर्म ७ वीमानं साक्षात्पुष्पमया
नागुदानरुसात्रकिपुमान ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते विमलसंस्कार महावज्र
हं ॥ धर्म १ वानसांद्रायायागुः म ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते विमलसंस्कार महावज्र
धर्म १ वानसांद्रायायागुः म ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते विमलसंस्कार महावज्र
हं ॥ ॥ धर्म १ वानसांद्रायायागुः म ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते विमलसंस्कार महावज्र

मह ॥ ४ ॥ अं नमो सर्वतथागत हृदय जन्मगत ॥ अंक २ गिनी स्वाहा
॥ ॥ धकवानाया यश्च नं काटि ऊर्मं स या नाया पाप भावन रुयू ॥
॥ ५ ॥ अं नमो महाप्रलब्ध आनं का प्र सर्व ह मि तु न ऊ तु ह क रु मा जाय न २
तथागताय ॥ ॥ धकवानाया यश्च नं काटि ऊर्मं स या नाया पाप भावन रुयू ॥
जाहूयी ॥ ॥ ३ ॥ अं नमो च उ म धु ल वि ष्व ध य मा न न तथागताय ॥ ॥

धकवानाया प्रज्ञानं निर्वा न य द ला यि ॥ ७ ॥ अं नमो सर्वार्थ पूर्ण २ य
मिरास विन यदि न श्व न ऊ सं रु व षु रु क रु मा जाय न तथागताया ॥ ॥
धकवानाया यश्च नं हृ ऊर्मं स य प्र ला क निर्वा न य ला य ॥ ८ ॥ अं नमो
रु ग व न २ का य रु तथागताय ॥ ॥ धकवानाया यश्च नं अ क र्म ४ सर्व पाप
ना स रु यि ॥ अ क नि षु धा या धी व ध क रु स म नि क य रु स रु न्मा रु यि

ॐ ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं काठिस्
हृद्यज्जन्मसंयानायायनाम् ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायायनाम् ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायायनाम् ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायायनाम् ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायायनाम् ॥ ३

ॐ ॥ १२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायायनाम् ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायायनाम् ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायायनाम् ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायायनाम् ॥ ३

गंगाया इह न सम्यक् वदाम ॥ ॥ धकवानाया यश्च न सा न संयतीः
दयकाया यापनास ॥ १५ ॥ ॐ नमो रुगवत्य नवनवलिना सम्यक् वदका
दिनां युरुगसहस्रानां गंगानदिवा नूकानां कथगतकातीनां ॥ ४
धकवानाया यश्च न ही सा या नाया यापनास ॥ १६ ॥ ॐ नमो रुगवत्य म
हाप्रत्न उद्दिष्ट नरु कथगंगाया इह न सम्यक् वदाम ॥ ॥ धकवानाया

दुर्गासि सज्जन्मरुथि अमर ॥ १७ ॥ ॐ नमो रुगवत्य धर्म समुद्र सर्वस
ध धरु कथगंगाया इह न सम्यक् वदाम ॥ ॥ धकवानाया यश्च
न गुप्ता द्वाहा नाया यापनास ॥ १८ ॥ ॐ नमो रुगवत्य अयुक्ते
नाम धरु कथगंगाया इह न सम्यक् वदाम ॥ ॥ धकवानाया यश्च
न ज्योतिरु यवप स सुखानं पात्रं गङ्गाय ॥ १९ ॥ ॐ नमो रुगवत्य

एव सर्वरथागतविहत्रमिस्मः ॥ बुद्धकदुधजुष्टीयनथागनायाइहकं
 सम्यक्कंवृद्धायनमो ॥ २० ॥ ओं जा ४ डि स न नायुजस्यात्मकः डि प्र सा य
 नवजधायः सुध्रिकल्यरुदः समूः ओं नमवायानूकूलः सर्वसीद्धीपुथ ॥
 कुरु ॥ १ गुण्याधायसि ॥ २१ ॥ ओं वक्राधमहाश्रीकहनुकनमर्थर
 रुद्रं रुद्र ॥ ओं यमोरुकनमहाकाठहयः गृवहं वृद्धं रुद्र ॥ २२ ॥ ओं वज्र

कि लि कि लाय सर्व वी ग न त्व हं रुट् ॥ ओं श्री गुरु कृष्ण न श्री हं नू क गुरु कृष्ण न का
 टि भ्य नि ह्यं म म ऊ रि गी नी नू नू २ दू र्णा रुट् ॥ ओं व ऊ वं ध सर्व दू र्ण न दू र्णा रुट् ॥
 ओं व ऊ म हा नू सर्व सिद्धि हं रुट् ॥ ओं श्री ४ य मा न क क रू त व ऊ का ध ह य गृ व हं नू २
 हं रुट् ॥ ॥ काम दे वा म धु न मं ज ॥ २३ ॥ ओं सर्व क थ ग क उ ह्नी ष धा रु मि
 मि स्वा हा ॥ ओं क थ ग क धा रु हि रु मि क ज्जि हं स्वा हा ॥ ॥ न ग क श य ॥

॥ २४ ॥ ॐ नमो भगवते चवं सर्वं नमो भगवते विहस्य ॐ दुर्क दुर्धन जीय नमः
आगताया इह नमो सम्यक् वदन्नाय नमो ॥ २५ ॥ ॐ आजीम वरमा युक्त्यात्मकं
दियसाय नव उक्ता तुलसुद्धि कल्प रुडे नमो वा नानूक र सर्वसीधीय यक्त
इह ॥ इह ॥ ॐ आजीम काय मातृ ह नमो थरु रु रुट स्वाहा ॥ ॐ य मातृ क
पुरु महाकाध हय गृव रुट २ रुट स्वाहा ॥ ॐ वज्र किलि किलाय सर्वविध न

वृंह रुट ॥ ॐ गुं कलान काटि स्वली रुं ममथा गिनि वृंह रुट ॥ ॐ व ४ उव भ
सर्व दूखानं रुट स्वाहा ॥ ॐ वज्र सर्व दूखानं रुट ॥ ॐ वज्र सर्व दूखानं रुट
इह यणी व रुट ॥ ॥ कामद वाम भुज मनु ॥ २७ ॥ ॐ वज्र महागुप्त सर्व
सिद्धि रुट स्वाहा ॥ ॐ दीप मातृ क रुट वज्र काध हय गृव रुट २ रुट ॥ का
मद वाम भुज मनु ॥ २८ ॥ ॐ सर्वं नमो भगवते उक्ती यधु मिनि स्वाहा ॥ ॐ सर्व

तथा गुरु धारु विरु विरु अघि विरु हं रुट् स्वाहा ॥ ॥ अमनुवाना या यडा
ऊन आकास वाजिनं गाथा मइ ॥ २९ ॥ ओं ह ग वा न वे प्रा च न हं ॥ ओं अ का
र्य हं ॥ ओं वा प्र ल स रु व हं ॥ ओं ग्रा न सृ गार हं ॥ ओं आ ज मा घ सिद्धि हं ॥
॥ नि यं च वृ द्ध वा धि स ख म रु ॥ ३० ॥ ओं आ वृ ध वी य सिद्धं ॥ ओं आ सि धि हं ॥
ओं आ वि स्र रु व हं ॥ ओं क कू क्कु मु न हं ॥ ओं आ क न क म नि हं ॥ ओं आ का स्य व

हं ॥ ओं आ सा क्क म नि हं ॥ ॥ ॥ नि स क व रु ना म ॥ ३१ ॥ ओं आ र्य व ल्ना कि रु स
प्र हं ॥ ओं आ र्य मे णी हं ॥ ओं आ का स गार हं ॥ ओं आ स म रु रु द हं ॥ ओं आ व रु या
लि हं ॥ ओं आ म रु शी कू मा व रु क हं ॥ ओं आ स र्व नि व र्ध वि स्कं हि हं ॥ ओं आ कि रि ग
रु हं ॥ ओं आ स र्व नि व र्ध वि स्कं हि हं ॥ ओं आ कि रि गार हं ॥ ॥ नि ज स्र वा धि स ख
म ॥ ॥ ओं न म सा क्क म न रु था ग गा या हं न स म्प क्कं वृ द्ध य ॥ रु घ था ॥ ओं म नि र

महासूनि साकमूनय स्वाहा ॥ ॥ ~~उत्तमेशावकसाकमूनिद्वय~~ ॥ ३२ ॥
ॐ नमो गवतः भद्रास्तु नमो गताया इह न सम्यक् वृद्धाय ॥ नमो ॥ ॐ कंक
नि २ प्राचनि २ विनाचनि २ संगनि २ यनि हत हन २ सर्वकर्मणा नि सर्व
स्त्वानाच ३ स्वाहा ॥ ॥ ~~धर्मनामज्जुष्याधायनी~~ ॥ २४ ॥ ॐ नमो गवतः
ह्रस्वार्थगुर्वद्वयः परक तु गताया इह न सम्यक् वृद्धाय ॥ न

यथा ॥ ॐ ह्रस्वार्थ २ महाह्रस्वार्थः परक ह्रस्वार्थः शुद्ध ह्रस्वार्थः गत समुगत स्वा
हा ॥ ॥ ~~ह्रस्वार्थयात्रा~~ ॥ ३३ ॥ ॐ नमो गवतः अयमिमिताय हान
सूविनिचिरुक्तं गताया इह न सम्यक् वृद्धाय ॥ नमो ॥
ॐ यम् २ महाह्रस्वार्थः अयमिमिताय हान समुगत स्वा
हा ॥ ॐ सर्वसंस्कारपविशुद्धधर्मः गगनसमुगत स्वहावविशुद्ध महा

नमयत्रिवाग्रस्वाहा ॥ अयत्रिमीलारुगवानयाजष्टनाम ॥ ३५ ॥ ओं नम
था ॥ रुं वरुं २ महा रुं वरुं नाकमूनि य स्वाहा ॥ ॥ ध्वरुं खरुं याना म स्म
नायाज ॥ उम सविद्य को न सा थू निवान ॥ ३६ ॥ ओं मणि घट्टं ॥ ओं वा गि श्व वि
दू ॥ ओं वज्र पा शि दू ॥ ओं अय य च उ न धि दू ॥ ओं वा क द न मा ॥ ओं व ह म हा वा
ख न दू रु दू ॥ ओं ना य रु ना ज रु न स्वाहा ॥ ओं मा जी य मा स्वाहा ॥ ओं पि श्व च

पक्ष शर्व त्रि सर्व आ य म न स्वाहा ॥ ओं यथा उ ह्नि य वि म ल दू ॥ ॥ थू नि म
रु वा न सा लू खा म त ल सा लू ला य रु य म दू ॥ ३७ ॥ ओं मणि ध नि व जि नि म
हा यु नि स न ॥ व क २ मां दू रु दू स्वाहा ॥ ओं अ मृ क अ मृ क व न २ य व ल वि श्रु दू
दू दू रु दू स्वाहा ॥ ओं अ मृ रु वि लो की नि ग रु सं व रु नी आ क र्ष दू दू रु दू स्वाहा ॥
ओं वि म ल व स वि घू २ रु य वा हि नि अ मृ रु दू दू रु दू स्वाहा ॥ ओं रु २ २ रु दू य

यत्र न विद्वधिन चूचन हं हं रुद्र स्वाहा ॥ ॥ ध्यान साधु कथयिष्यामि च
कालस्य फलम् ॥ ३८ ॥ ओं नमो ज्ञानाय ॥ ओं नमो गुरुगवतः सायब मूर्तिरु
पगतया हन्तः सम्यक् वक्ष्यामि ॥ तद्यथा ॥ अङ्किण २ रुद्रये २ मेरु निवलो किण
कर २ महा समय तिष्ठिरुद्र २ महा वाधिमकु विक्रम २ असमाकं समय वा
धि स्वाहा ॥ ओं महा भाहिनि स्वाहा ॥ ओं महा मस्मत् स्वाहा ॥ ॥ धर्म दिक नृ

नां मूदिमाः उथ काः स्वमकुवां नाडा इजसाः क्रमक्रमस्य ननं नाडा यनिः सूध
गनः अगमि संजन्म इयम्बाल ॥ ३९ ॥ ॐ नमामः श्रीय नमः ४ शुश्रीय नमः
४ उरुमं श्रय चसाहा ॥ ॥ अथ कवां नादं दं आरुया नसाः दाल छिया ना
यमान ॥ ४० ॥ ॐ नमो रगवतः वत्त कुरु जाजाय कथा गतायाः हर्कं सम्यक् व
वजाय ॥ नमः ॥ ॐ अत्र २ महावत्त विजय स्वाहा ॥ ॐ नमो दशदिक् कालः

एवमत्र जयाय ॥ ओं दयै देह सर्वपापविम्वधनि स्वाहा ॥ ॥ धर्मि वा नानं
दशालक्षि चाउलायात्र छिचाउ प्रयुमानं न छिद्यमान ॥ ४१ ॥ ओं विद्युत्
गर्भमनीयुहा ॥ रुद्रथा ॥ अगर्भनिदक्षानमसि २ सूर्यरुचिमलमार्गत्रगं ॥
हिमदं २ कलशवद्विशाकीर्णगुह्यस्मृधिरुगर्भस्वाहा ॥ ॥ धर्मि
वानसा जय नारु जस्रनलदं ॥ ४२ ॥ ओं मधिवज्रदं ॥ ॥ हृदयज्ञल

॥ ४३ ॥ ओं मधिवनिदं ॥ ॥ धिन्नरुज ॥ ४४ ॥ ओं वचनूदं ॥ ॥ मनवाका
कार्यसिद्धिरुयि ॥ ४५ ॥ ओं नमो नृगवतं युष्मायात्र मिनाय ॥ ओं नृद
दुर्गि नृल्लिमिभिनि २ लिनय २ ओं नमो नृगवतं युक्तचल्युक्ति नृलि
नि २ मिलिनि २ यलकि २ दसूलि २ पुय स्वाहा ॥ ॥ धाल १ वानसानं
साकारिवज्र ॥ ४६ ॥ युष्मायात्र मिनाय युष्मादुर्गि ॥ ४७ ॥ ओं नृधिव

१ धिप्रदंखजल ॥ ॥ जलुजलुजमरुगीयासूत्रमनु ॥ वानाउथ
उम्रयाकेजलीकइलसांदि कादरसां थउ मरुजय थमिरुमरु
सानंमु यादठालुवनस चीन ॐ दुदव वक्रराजयाउ थमरुवाः १२
नाउः या लिमलसः खानपय दासइउ बालसः कियरुग कूयासिः
कपनि गुयादठालुवनं संजन्मइयिउः थपायं पृथ न यधुपा

यधुदरुयिउः ॥ ॐ वजगुनूयमसिदुं ॥ ॐ महनुसर्वसिधुं ॥ ॐ
नमारुगवनं सर्वदुर्गकियप्रिस्वधनराजाय रुथागनायाइदंरु सम्यकं व
द्वाय ॥ रुयथा ॥ ॐ स्वधनराजाय न सर्वपापविश्वधनवुदु विरुधसः
वैकर्मावेन विश्वधनस्वाहा ॥ ॐ यमस्त्रीपविमलं ॥ ॐ मधियमदं ॥
॥ थमरुवानाउः पुदिदिनायारुसा दं ॐ उलारुवसालसवानाइलसां

सियव्यवसवानाङ्गुयानवाकसां सर्वयायनासः ^३धनरुनवाधिल्लान्ता
यु॥ यस्य कवृधधायकइउ॥ ४७॥ ॐ किं ॥ धमरुणीयायकाकनवाव
वायेवानसा सर्वपापं नृकलीयाकर्मनास॥ ४८॥ ॐ ॐ ह्रीं १ ६७ ३ विमुक्त
अकिप्रविनवसूधनलमजा ॥ ॐ विनस्मी २ स्वाहा ॥ ॥ ध्वनायाययधन
मयवत्रं सख्याकसां लगयमरुयीउ॥ लगयरु ॐ ॐ अमयः सर्वबाधिकृष्टका

भाचनरुयिउ॥ ४९॥ ॐ यधर्मास्वादि ॥ ॥ धमरुवानायासः कल्यानवः
वत्ररुनंसंरुकरुयिउ॥ ५०॥ ॐ सिक्ताकपञ्जययाजिनं सर्वपहाजसय
हन २ ६ २ ६ ६ ६ स्वाहा ॥ ॥ महायकिगिनायानासधामनी॥ ५१॥ ॐ च
वजमहाकाधायः रूलु २ निह २ वन्ध २ हन २ रुमृक २ ६ ६ ६ स्वाहा ॥ ॥
वजजागिनीजागधामनि॥ ५२॥ ॐ नात्ररुकात्ररुत्रममजयययहा

नयूष्टिः कूटूखाहा ॥ ॥ सप्तमोऽभिनामध्यायः ॥ ५३ ॥ ॐ नमः
स्वर्गधामनयूष्टिः किं ॥ ॐ सूर्यः ॥ ५४ ॥ महाधूय यन थस युका स
यायमने ॥ ५४ ॥ ॐ नमो वज्रसागत्रयमर्थन नथ गगाया हं न १४
सम्यक् वद्वाय ॥ नथ थ ॥ ॐ वज्र २ महावज्र महावज्र महाविजयाय
ॐ महाकर्म्मो महावाधि निरु वज्र महावाधि ॥ ५५ ॥ यस्मै वज्र सर्व

मार्जितं विश्वधृतीर्वज्र स्वाहा ॥ ॥ थकि वा नाया यं थया न सा वाया
नमः ॥ ५५ ॥ ॐ नमो समन वद्वानां असमधर्मिषा रुकार्थ गतिं
गगानां सर्वथा ॥ ॐ खं जं ४ सं स ४ हं ह ४ न न ४ च च ४ स्वाहा ॥ ५६ ॥ नमो
॥ ५६ ॥ स्वाहा ॥ ॥ ॐ वव वव वाचन ध्याय ॥ ५७ ॥ ॐ नमो रुग वव
सर्वदुर्गति पात्रि स्वधृति २ सर्वपाय विश्वधन दुष्ट विदुष्ट सर्वकर्म्मो

वर्धुविश्वधन स्वाहा ॥ ओं सर्वचक्र सर्वजावमन विश्वधन हन २३
रुदे स्वाहा ॥ ॥ यथा विसक्तिमहा यथा च न ध्यायति ॥ ५० ॥ ओं
आस सर्वकथा गरुहदय ॥ हव २ ओं इति ४ रुगवान्ज्ञानमर्हि वागी १५
स्वप्न महावाच सर्वधर्मा गगध जूमयुले सयत्रि सधर्मा धा रुज्ञानग
रुआ ॥ ॥ रुकुज रुनाऊ ॥ तामृगी व्याकर्ष उरु म धा त्रि ॥ ५८

॥ ओं वज्रसूत्रादि ॥ ॥ सना कृत्वा ॥ ओं मलि २ महा म निय स्वाहा ॥
ओं मक्षि य म इ ॥ ओं वधु महा म सध इ ॥ ओं ना व रु ना व स्वाहा
॥ थलि म रु जका व रु यि बल म म व ना या य ॥ ५० ॥ ओं नभा व रु
या य ॥ ओं नभा रु ग व न् जा य्ज्ञान सा ग व वे या च ना वि ह ना ऊ य
रु था ग ना य ॥ ओं नभा सर्व क था ग रु ह्य ४ ज रु ह्ना य सं य रु व द्वा

य १ॐ नमो श्रीगार्या वलाकि ब स्वराय वाधिसत्वाय महासत्वाः
य ॥ महाका प्रनिकाय ॥ न यथा ॥ ॐ धन २ धि वि २ धन २ वृ २ ह २
वर्ह २ च २ य २ व २ क २ स २ म २ व २ ल २ ल २ मि २ चि २ लि २ क २ ल २ न २ व २ न २ व २ न २ ॥ ३६
यस्यो हा ॥ ॥ ~~यक दम मूर्ति वा के व प्र नाम धा प्र नि~~ ॥ ३१ ॥ ॐ ज्ञा व
ऊं ॥ ~~वज्र गार्या म गु ह दय~~ ॥ ३२ ॥ ॐ ज्ञा ४ म ई ॥ ~~म रु श्री वज्र ह दय~~

॥ ३३ ॥ ॐ ज्ञा म शि य म ई ॥ ॐ ज्ञा वि वि क र न ई ॥ ॐ ज्ञा मा न क ई रू ॥
ॐ ज्ञा म ना ऊ य सर्व दाम य य म्भ प्र न यो ह दया ये नि प्र रु य नि प्र य ई
रू ॥ ॥ ~~य ज र वी नी वज्र गारु न व छि व ह दय~~ ॥ ॐ श्री वज्र ह ह नू क
रू रू ॥ ज की नी जाल सं न प्र स्वा हा ॥ ३४ ॥ ॐ दि ह ह ई रू ॥ ॐ वज्र
वे ना वे नि य ई रू ॥ ॐ सर्व व द्र ज कि नी य ई रू ॥ ॐ सर्व व द्र ज

किनीयवजवक्षीयवजवेवाचनियदूँरुत्स्वाहा ॥ ॥ वज्रसम्भ
न्यावज्रवीगासिनियाहृदयजकावामुखधायनी ॥ ३३ ॥ ओं जादूँ
दी ॥ ओं महियसूदूँ ॥ ओं वज्रवाग्राहिवज्रदाकिनीवज्रवेवाचनीयदूँ ११
रुट ॥ ॥ महाकरुणवज्रवाग्राहीयोहृदय ॥ ३३ ॥ ओं घमययनम
स्वाहा ॥ ओं हविनि सर्वक्रियदूँ ॥ ॥ अग्निनीयाहृदय ॥ ३१ ॥

॥ ओं जादूँ हा स्वाहा ॥ ओं क्री क्री क्री क्री क्री स्वाहा ॥ ओं काचक्रकायदूँ
रुट रुट ॥ ओं रु विश्वमातायदूँ रुट ॥ ३८ ॥ ओं वज्रवाग्राहिजावस
सर्वदेखानक्री स्वाहा ॥ ३९ ॥ ओं देवीपिचूवज्रदूँरुत्स्वाहा ॥ ओं वज्र
कलीवहवजायदूँरुत्स्वाहा ॥ ओं जादूँरुत्स्वाहा ॥ १० ॥ ओं धय २
धय २ मर्द २ वज्रवन्दूँरुत्स्वाहा ॥ ओं माधवयसूक्त ॥ धय २ ॥

कहिं न जिक हं रुट् स्वाहा ॥ अं वज्रसूर्य रुमा विधमनमभुस
मयस्व हं जा नो रुक के हं रुट् स्वाहा ॥ अं ह २ हि २ पु रु रु क हं रु
ट् स्वाहा ॥ अं हं स्वाहा ॥ अं जा किं स्वाहा ॥ अं व ह जा कि नी य अ की हं १८
॥ रु ग वान् महा मा या धा न नि ॥ ७१ ॥ अं की ४ वि वि रु मा न ना य हं
रुट् स्वाहा ॥ अं र्म वा जा या हृ दय ॥ अं ह स म ॥ ७२ ॥ अं य ता हृ रु सा

रुट् मि भा दा वा र ग ल रु द ख ज क स रु च द हं रुट् स्वाहा ॥ अं म रु जी
पा की प्र न रु व ना म रु ॥ ७३ ॥ अं ग न ख की प्र वी स ना स उ च म हा क्ता ध रु
रुट् ॥ हा प्र की म रु ॥ अं ज क स म व न स रु द च म ल य रुट् ॥ अं सिं धा म रु
वि ना म रु वा ज कि नि या म रु ॥ ७४ ॥ अं आ रुं छिं रु नू २ शि २ रु क च द
व द ह ल रु य रुं ग स र्व मा न य र्व द रुट् स्वाहा ॥ म हा ड क रु व म रु ॥ ७५

॥ ओं हूं २ ॥ अं वरुणाधिहयगृववनूनहंरुट् ॥ अमकुवात्रसाचालीवीन
पठुमं गुलजलजं तुमहानरुयाय्योपनीरुयमदू ॥ ७३ ॥ ओं हानजाकि
नीमृषानीजीवकिचस्वाहा ॥ अं त्यानकात्वा ४ व आत्वा ४ खलकं मानका १९
थत्वाः चूलरुहं ॥ अं महानकंच हंरुट् ॥ अं वरुमहाकां नकिउविद्यान
विनायकानां हंरुट् स्वाहा ॥ अं काननूये अहंरुट् ॥ अं वा मृति हंरुट् ॥ अं

जाकिनीचंजलिनाकसिगत्रिदवी हंरुट् ॥ अं यूर्ध्वजूर्ध्वजीचयूनुषआ
हिरुसर्वसकुमात्रयहंरुट् ॥ अं नमचमचिरुहन्नयनीदवी हं ॥ अं नमा
रुगवत्तमागलयर्जय २ सर्वसकुमात्रयवद्वहंरुट् स्वाहा ॥ अं महाऊरु
रिआर्यवहं ॥ अं थीलिनिआमिलिसिली हं ॥ अं धनध हं हं ॥ अं वे स्वाहा
॥ अं वेयवनायस्वाहा ॥ अं जं वलजलीडायस्वाहा ॥ अं यूर्ध्वरुडायस्वाहा ॥

ॐ मा नी रु डाय स्वाहा ॥ ॐ क्व वा य स्वाहा ॥ ॐ सं यु जा मा य स्वाहा ॥ ॐ गु
का ना य स्वाहा ॥ ॐ य म्बि क य स्वाहा ॥ ॐ जी वी कृ शु लि य स्वाहा ॥ ॐ हं श्री
या द वी का नी २ महा का त्रि हं रु द ॥ श्री धर्म या य द न मा या म रु ॥ ७ २०
॥ ॐ न भा स म रु वृ क्षा नां चि रु यू यी नि ॥ श्री म रु वि श्रा व ध न रु ल ॥ ॐ न
भा रु ग व र्य अ रु स ह श्री का य ह या त्र मि ता रु ॥ रु द्र धा ॥ ॐ मू न २ महा

मन्त्रधर्मकहाधर्मसमस्यनिसर्वकार्यसुत्रान्मधर्मनिरुपयथा॥ हस्त
हस्तोक्तिरुपयविजयधधत्रियुष्मायाप्रयस्याहा॥ यगित्वानसात्र
कोरुगवनिवानाह्य॥ ७२॥ ॐ नमो रुगवत्येयचैर्विंसति कायुष्मा
यानमिनाय॥ रुपयार्थ॥ यहेयुमहायुष्मयवप्रयुग्मसर्वरुपयुष्माया
सर्वस्मानदकप्रयुष्मानसकललिकहि॥ रुधरकह२रुहु२सत्र२ध

प्रचययत्र गङ्गा २ गङ्गा निरुद्ध स्वाहा ॥ अमलुवात सा यंच विमानि
ॐ ॥ ८० ॥ ॐ नमो गवतः सर्वकथा गरुडदयः अनूतन ॥ ॐ नमो
गिरिधरा स्वाहा ॥ ८१ ॥ ॐ नमो गवतः नारायणं नमो गीय ॥ कथय ॥ ॐ २१
गङ्गा २ पात्रं गङ्गा पात्रं संगतं वापि स्वाहा ॥ ८२ ॥ ॐ नमो गवतः सचक
कथय स्वाहा प्रमिताय ॥ ८३ ॥ ॐ नमो गवतः समन्त रुद्राय वापि

सत्वाय महासत्वाय महाकाव्यीकाय ॥ कथय ॥ रुद्रल सत्वाय ॥ ॐ पति
ॐ नमो गवतः नारायणं नमो गीय ॥ ८४ ॥ ॐ नमो गवतः महाप्रत्न अग्नी
कथय रुद्रक रुद्राजाय ॥ कथय गङ्गाया इह नमो सम्यक् वद्वाय ॥ हिंसाया ना
पायनाय ॥ ८५ ॥ ॐ नमो गवतः महाप्रत्न अरिव प्रघ्नय रुद्राजाय
कथय गङ्गाया इह नमो सम्यक् वद्वाय ॥ अकथिया नाया पायनाय ॥ ८६ ॥

ॐ नमो भगवते चंद्रमनसपुत्राय स क धर्मपात्री नमः ॥ कथं गता
या इह न सम्यक् वदन् ॥ **थवा नायाय इह कायाया यनासा ॥ ८७ ॥** ॐ न
मो भगवते पुनरिह वदन् वजा विरुपुह गतं विध्वंशयति का सहस्रपा २२
प्रमिताय नमः ॥ **गताया इह न सम्यक् वदन् ॥ कामकृदा माहमाया दक्ष**
पापनासा ॥ ८८ ॥ ॐ नमो भगवते नवनरिणां सम्यक् वदन् कीर्तिनां गं

गतदिवात्र काप्रमानी कथं गता कीर्तिनां ॥ **वदन् विरुपुह नाया**
उमी ॥ ८९ ॥ ॐ नमो भगवते पुनरिह वदन् समक कथं गताया इ
ह न सम्यक् वदन् ॥ **वनजलवका कथा सधर्मनारायणा कथं**
गुरुसमयमासि संहिखं घातनागु सामवो वयानयि जविश
गु सामयाकस गुरु सत्रागु समस्तं कथं गतपतिगु आषकू नागु

थनिपायः अकर्मया नागुः कल्यहृदं तथा गतं नः शुभास्तिस्रसं
विष्वाकसाः अथाप्यरुहकमजिअधकाः हनंथगुकवृषामवाः
आलसन्नकाः अध्वानधीहृदयः एकचिरुयाताः वागुयचसः २३
मिगुलिङ्गुवालसयायूडाकडाः वाडाहृसहृलध्वदः दसांकुसल
पाययूयः कायः वाकः चिरुंयातागुः सर्वपायभाचयायः धकाः

२३

उयगललंमवीणाकः कमहाउययनः कलिसधर्मवि
क्रयंचवर्तनायायधकगुफयास्तनमा ॥ २० ॥ अगुयलकमह
थीः समुद्रनामधर्मस्वामीः श्रीसाकहिकूनः रुकिरावतंयीका
संरुयाकल ॥ २१ ॥ ओं नमो रुगवतः चेत्राचनयुक्कुरुनाशाय
कथागताया इहं नम्यकं वक्षाय ॥ ओं नमो रुगवतः समकुरुदक

अगगाया इह न सम्यक् वद्वाय वाधिसत्वाय महासत्वाय ॥ नम
 था ॥ ॐ यज्ञी गवमूयवाधीनीयस्वाहा ॥ ॐ धृष्ट २ ५ २ २ ५ यम
 व्यस्वाहा ॥ ॐ निवानसा ॥ ॐ गुणारुका मनाय धृष्ट ॥ ॐ ॥ २४
 ॥ ॐ निर्विक्रिय हृदय समार्क ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॐ वासम इव नदियन् ॥ ॐ मंगलं हवतु सर्वकालं ॐ



